समय : 3:00 घंटे **पूर्णांक : 100**

सूचना : 1.सभी प्रश्न अनिवार्य है ।
2.सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1. नाटक की परिभाषा स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों पर प्रकाश डालिए। **20**

अथवा

एकांकी का स्वरूप समझाते हुए उसके विकास क्रम को विस्तार से लिखिए।

प्रश्न 2 .निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **20**

क) "मैंने इसके गांव जाकर पता लगाया। गांव वालो का कहना है कि यह हमेशा शराब में धुस्त रहता है।रास्ते में बेहोश पडा रहता है । पुनिया जो कुछ कह रह रही है,वह सच है मेरे मत से यह तलाक स्वीकार कर लेनी चाहिए।"

अथवा

"अब कुछ भी कह लो।मैं कल्लू सेठ की तरह गरीबों की मजबूरी का फायदा तो नहीं उठाता रखवा-रखवाकर पूरे इलाके के किसानों की जमीन हड़प ली।"

ख) "यही है,यही है मेरे मार्ग का कंटक। आज मेरे नगर में स्त्रियों ने दीपदान किया है।मैं भी यमराज को इस दीपक का दान करूंगा।यमराज!लो इस दीपक को । यह मेरा दीपदान।"

अथवा

"इस बार तो पेंशन के अलावा मुझे पिछला हिसाब भी लेना था। अच्छा हो गया यह रकम मुझे जल्दी ही मिल गयी। पन्द्रह हजार रुपए मिल गये, कुछ शेयर में आ जाएंगे। छोटी लड़की रेखा की शादी का काम अब आराम से हो सकेगा।"

प्रश्न 3. पूनिया का चरित्र - चित्रण स्पष्ट कीजिए । **20**

अथवा

'काला पत्थर' नाटक का आशय अपने शब्दों में लिखिए ।

प्रश्न 4. 'और वह जा न सकी' एकांकी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। **20**

अथवा

'नो एडमिशन' एकांकी में चित्रित शिक्षा-व्यवस्था पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियां लिखिए । **20**

क) 'काला पत्थर' नाटक का दुरजन ।
ख) 'काला पत्थर' नाटक में चित्रित न्याय- व्यवस्था।
ग) डॉ.कौशिक।
घ) राजेश्वरी का चरित्र - चित्रण

XROYADMINY84994BXROYADMINY84994BXROYADMINY84994BXROYADMINY84994B